बम धमाके से भी नहीं डरेंगे...

सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 8 ● अंक: 343 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 23 जनवरी, 2023

मूल्य ₹ 3/-

जिन्दगी तो अपने दम पर ही जी जाती है, दूसरों के कन्धों पर तो सिर्फ जनाजे उठाये जाते हैं।

-भगत सिंह

8 नेता जी का जन्मदिन बना राजनीति... 3 समाजवादी विचारधारा से आएगी देश... 7

राम के बाद अब रामचरित मानस पर संग्राम

स्वामी प्रसाद के बयान पर भड़की भाजपा

» विपक्ष के मुंह में दही जम जाती : अजय आलोक

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। रामचरित मानस विवाद बिहार केबाद अब उत्तर प्रदेश में भी उठ गया है। अबकि बार हंगामा सपा के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य के उस बयान पर बरपा है जिसमें उन्होंने रामचरितमानस पर प्रतिबंध लगाने की बात कही। उनके बयान पर पलटवार भी शुरू हो गया है। राजनैतिक गलियारे में इस तरह के बयान पर यह चर्चा हो रही है कि नेता अब 2024 लोकसभा चुनाव को नजर में रखकर जानबूझ कर ऐसे विवादित बातें बोल रहें है ताकि वह इसका राजनैतिक लाभ उठा सकें।

सपा ने निजी बात कह झाड़ा पल्ला

गौरतलब हो कि इससे पहले भाजपा नेता व गृहमंत्री अमित शाह त्रिपुरा में राम मंदिर की तारीख की घोषणा कर विपक्ष के निशाने पर आ गए थे। दिवंगत समाजवादी नेता मुलायम सिंह यादव की पुत्रवधू व भाजपा नेत्री अपर्णा यादव ने कहा कि इस तरह के बयान निकृष्ट मानसिकता वाले लोग ही दे सकते हैं। हालांकि समाजवादी पार्टी ने बयान से किनारा करते हुए उनका निजी बयान बता दिया है। स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान निंदा चारों ओर हो रही है। रामचरितमानस को लेकर विवादित टिप्पणी करने वालों में अब नया नाम सपा नेता और एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य का जुड़ा है। स्वामी प्रसाद मौर्य का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिसमें वह यह कहते नजर आ रहे हैं कि रामचरितमानस में शूद्रों का अपमान किया गया। उन्होंने यह कहा कि ऐसी पुस्तकों से इन दोहों चौपाइयों को हटाना चाहिए या फिर इन्हें प्रतिबंधित करना चाहिए। स्वामी प्रसाद मौर्य ने रामचरितमानस की कुछ पंक्तियों का हवाला देते हुए बताया कि ब्राह्मण चाहे गुणहीन ही हो, उसकी पूजा करनी चाहिए, वहीं, शूद्र चाहे वेद भी जानता हो वह पूजनीय नहीं है। क्या यही धर्म है? वहीं पूर्व जेडीयू नेता और राजनीतिक विश्लेषक अजय आलोक ने विपक्षी नेताओं पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जब रामचरितमानस के ऊपर सवाल उठता है तो इन लोगों के मुंह में दही जम जाती है।

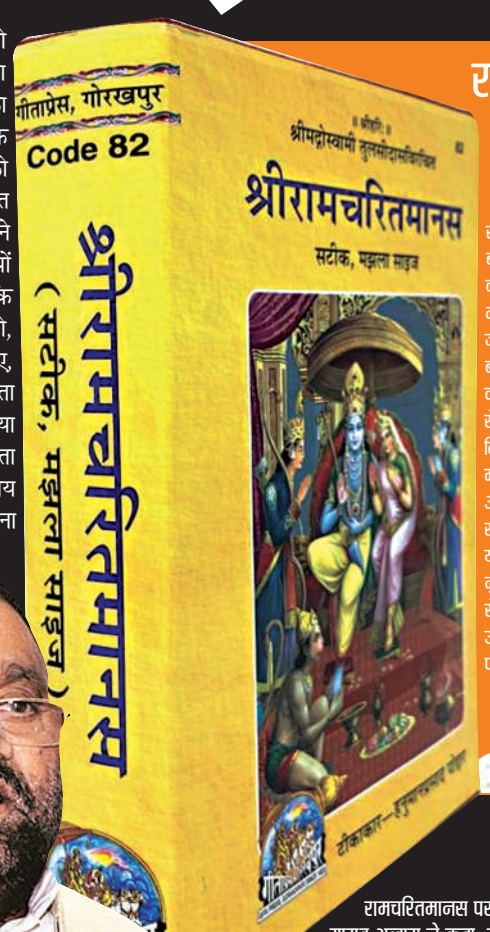

रामचरितमानस पर इस तरह की टिप्पणी करना निकृष्ट मानसिकता दर्शाता : अपर्णा

स्वामी प्रसाद मौर्य के रामचरितमानस पर दिए गए विवादित बयान पर बीजेपी के महिला नेता अपर्णा यादव ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि आज भी भारत में कहा जाता है कि बेटा हो तो राम जैसा हो, राम भारत के चरित्र हैं और राम किसी एक धर्म या मजहब के नहीं है। शबरी के जूठे बेर खाकर श्रीराम ने कास्ट बैरियर को तोड़ा। स्वामी प्रसाद पर हमला बोलते हुए कहा कि उन्होंने रामचरितमानस को पढ़ा ही नहीं। एक राजनेता की ओर से रामचरितमानस पर इस तरह की टिप्पणी करना उनकी निकृष्ट मानसिकता को दर्शाता था। ये वे अपने चरित्र के बारे में बता रहे हैं। रविवार को बुलंदशहर में अपर्णा यादव कोतवाली नगर क्षेत्र के नुमाइश ग्राउंड में एक शाम सांवरिया सेठ कार्यक्रम में पहुची थीं। इस दौरान उन्होंने स्वामी प्रसाद मौर्य पर प्रतिक्रिया दी।

जानबूझकर ऐसा किया : भाजपा

स्वामी प्रसाद मौर्य के बयान पर बीजेपी नेता राकेशधर त्रिपाठी ने कहा स्वामी प्रसाद मौर्या जब तक भारतीय जनता पार्टी में थे तब तक कभी भी उनके मुंह से कोई बदजुबानी नहीं सुनी लेकिन जब से समाजवादी पार्टी के साथ गए तो जानबूझकर समाजवादी पार्टी के एजेंडे के तहत हिंदुओं को अपमानित करने के लिए और तुष्टिकरण करने के लिए आज वो रामचरितमानस का इस तरह से विरोध करने का काम कर रहे हैं।

अयोध्या के संत भी बिफरे

मौर्य के बयान पर अयोध्या के संतों ने भी खरी-खरी सुनाई है। रामलला के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा, रामायण में किसी भी व्यक्ति या जाति के उत्पीड़न की बात नहीं है। यह पूजनीय ग्रंथ है. जगतगुरु परमहंस दास ने भी इसका विरोध किया है। जिसको चौपाई बोलना नहीं आता है, वह भी रामचरितमानस पर टिप्पणी कर रहा है।

मुसलमानों ने भी किया विरोध

रामचरितमानस पर मौर्य का टिप्पणी का सिर्फ हिंदू ही नहीं मुसलमानों ने भी विरोध किया है। मुस्लिम धर्मगुरु मौलाना यासूब अब्बास ने कहा, स्वामी प्रसाद का बयान मजम्मत करने वाला है, चाहे गीता हो, रामायण हो या फिर कुरान या बाइबल, किसी भी धर्म की पुस्तक पर बोलने से पहले उसे जानकारों से उस बारे में पूछना चाहिए। अब्बास ने मौर्य के बयान को सस्ती लोकप्रियता पाने की कोशिश बताया। सपा नेता और इलाहाबाद विश्वविद्यालय की पूर्व अध्यक्ष ऋचा सिंह ने ट्वीट कर लिखा, कि छद्म समाजवादी स्वामी प्रसाद मौर्य जी को लोहिया जी के समाजवाद को पढ़ना चाहिए जो समाजवाद और श्रीराम में सामंजस्य देखते हैं।

अब परमवीरों के नाम से जाने जायेंगे अंडमान के 21 द्वीप

» नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर देश ने किया याद

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारत के सर्वप्रीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर पूरे देश ने उन्हें याद किया। मुख्य कार्यक्रम राजधानी दिल्ली में मनाया गया। राज्यों की राजधानी में भी उनको श्रद्धांजलि दी गई। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सपा प्रमुख अखिलेश यादव समेत सभी प्रमुख नेताओ ने उनको पुष्पांजलि दी।

पीएम मोदी ने सुभाष चंद्र बोस द्वीप पर बनने वाले नेताजी को समर्पित राष्ट्रीय स्मारक का अनावरण कर दिया है। इसी के साथ आज से अंडमान निकोबार के 21 द्वीप भारत के परमवीरों के नाम से जाने जाएंगे। पराक्रम दिवस के अवसर पर आयोजित एक समारोह में अंडमान और निकोबार के इक्कीस बड़े अज्ञात द्वीपों का नाम परमवीर चक्र विजेताओं के नाम पर रखा गया। पीएम मोदी ने सुभाष चंद्र बोस द्वीप पर बनने वाले नेताजी को समर्पित राष्ट्रीय स्मारक के मॉडल का भी अनावरण किया। पीएम ने कहा कि इन 21 द्वीपों को अब परमवीर चक्र विजेताओं के नाम से जाना जाएगा। पीएम मोदी ने कहा कि अंडमान में जिस जगह नेता जी ने सबसे पहले तिरंगा फहराया था।

इन परमवीरचक्र विजेताओं के नाम शामिल

अब से अंडमान निकोबार के 21 द्वीपों को भारत के 21 परमवीर चक्र विजेताओं के नामों से जाना जाएगा। 21 परमवीर चक्र पुरस्कार विजेता, जिनके नाम पर द्वीपों का नाम रखा गया है। मेजर सोमनाथ शर्मा, सूबेदार और मानद कप्तान (तत्कालीन लांस नायक) करम सिंह, एम.एम. द्वितीय लेफ्टिनेंट राम राघोबा राणे, नायक जदुनाथ सिंह, कंपनी हवलदार मेजर पीरू सिंह, कैप्टन जीएस सलारिया, लेफ्टिनेंट कर्नल (तत्कालीन मेजर) धन सिंह थापा, सूबेदार जोगिंदर सिंह, मेजर शैतान सिंह, अब्दुल हमीद, लेफ्टिनेंट कर्नल अर्देशिर बुर्जोरजी तारापोर, लांस नायक अल्बर्ट एक्का, मेजर होशियार सिंह, द्वितीय लेफ्टिनेंट अरुण खेत्रपाल, फ्लाइंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखों, मेजर रामास्वामी परमेश्वरन, नायब सूबेदार बाना सिंह, कैप्टन विक्रम बत्रा, लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडे, सूबेदार मेजर (तत्कालीन राइफलमैन) संजय कुमार और सूबेदार मेजर सेवानिवृत्त (माननीय कप्तान) ग्रेनेडियर योगेंद्र सिंह यादव।

अभी और मेहनत की आवश्यकता : भूपेन्द्र

» 80 सीटें जीतने का लक्ष्य लेकर उतरें : अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने लोकसभा चुनाव में सभी 80 सीटें जीतने का लक्ष्य दिया है। इसी तहत उन्होंने कार्यकताओं से कहा कि मैनपुरी और खतौली में भाजपा को मिली हार ने सबक भी दिया है कि अभी और परिश्रम की आवश्यकता है। भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति में उद्घाटन सत्र में स्वागत भाषण देते हुए चौधरी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में यूपी की शत प्रतिशत सीटें जीतकर नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाने की प्रतिबद्धता को पूरा करना है।

उन्होंने कहा कि रामपुर और आजमगढ़ लोकसभा उप चुनाव में पार्टी को मिली जीत ने विपक्ष को बता दिया है कि अब दिल्ली उनके लिए दूर है। वहीं मैनपुरी और खतौली में भाजपा को मिली हार ने सबक भी दिया है कि अभी और परिश्रम की आवश्यकता है। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में रविवार को आयोजित कार्यसमिति की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष ने निकाय चुनाव में देरी के लिए विपक्ष को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब तक नगर निकाय चुनाव सम्पन्न हो चुके होते लेकिन विपक्षी दलों ने तरह-तरह के हथकंडे अपनाकर निकाय चुनाव में अड़ंगा खड़ा किया। उन्होंने कहा कि कारगुजारी के कारण नगर निकाय प्रशासनिक तंत्र के अधीन आ गए है। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ सरकार न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान करते हुए नगर निकाय चुनाव शीघ्र कराकर निकायों में लोकतंत्र की बहाली कराएगी।

अपेक्षाएं बढ़ रही है

भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि प्रदेश के 24 करोड़ लोगों का सरोकार आज संगठन और सत्ता के साथ सीधे जुड़ रहा है, उनकी अपेक्षाएं बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में कर्मप्रधान सरकार ने हर आदमी के सुख और दुःख को अपना लिया है। मुख्यमंत्री ने पिछले साढ़े पांच वर्षों में अप्रतिम कौशल के साथ लोगों के जीवन को खुशियों से भरने का काम किया है।

विपक्ष को जनता सबक सिखाएगी

भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि प्रदेश में पिछड़ों के नाम पर राजनीति करके सत्ता प्राप्त करने वाले दलों के नेताओं ने सिर्फ अपने परिवार और अपने कुछ चहेतों का ही भला किया है। उन्होंने कहा कि जाति मजहब की राजनीति करने वाले दल भूल गए हैं कि प्रदेश की जनता ने जाति और भाई-भतीजावाद की राजनीति को नकार दिया है। उन्होंने कहा कि कोर्ट की अनुमति के बाद जिस दिन भी प्रदेश में नगर निकाय चुनाव होंगे प्रदेश की जनता चुनावों को बाधित करने वाले विपक्षी दलों को सबक सिखाकर बताएगी कि लोकतंत्र क्या होता है।

एलजी शिक्षकों का अनुभव सुनें तो उन्हें भी गर्व होगा : केजरीवाल

» दिल्ली में टेंट वाले स्कूल अब टैलेंट वाले बने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवान ने कहा ने कहा है कि अगर एलजी भी शिक्षकों के अनुभवों को सुनते तो उन्हें भी गर्व होता। उन्हें शिक्षकों के अनुभवों की वीडियो भेजूंगा। उम्मीद है कि इसके बाद वो फिनलैंड की फाइल नहीं रोकेंगे। त्यागराज स्टेडियम में फिनलैंड, सिंगापुर और कैंब्रिज से ट्रेनिंग ले चुके सरकारी स्कूलों के शिक्षकों और प्रधानाध्यापकों से संवाद के मौके पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ये बाते कही।

सीएम ने कहा दिल्ली की शिक्षा क्रांति की वजह से टेंट वाले स्कूल अब टैलेंट वाले बन गए हैं। देश में सामंती सोच चली आ रही कि सरकारी स्कूलों में गरीब बच्चों को पढ़ाने वाले शिक्षकों को ट्रेनिंग के लिए विदेश भेजने की क्या जरूरत है? अगर भाजपा-कांग्रेस शासित राज्य का कोई मुख्यमंत्री कहे कि हमें भी सीखाओ, तो दिल्ली के शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया को कुछ दिन के लिए उधार में दे दूंगा। हमारे देश में एक प्रवृत्ति है कि कोई अच्छा काम करे, तो उसको लोग रोकते हैं, यह अच्छी बात नहीं है, इससे देश आगे नहीं बढ़ेगा। शानदार इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ शिक्षकों की ट्रेनिंग से स्कूल में माहौल बदला और नतीजे अच्छे आने लगे। आलोचक भी मानते हैं कि दिल्ली के शिक्षा क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव हुआ है। सरकार पहले चाहती थी कि प्राइवेट स्कूल से बेहतर सरकारी स्कूल बने।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाने का क्या फायदा : दिग्विजय

» आतंकवाद अब भी खत्म नहीं हुआ, भाजपा की राजनीति विभाजनकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 को हटाए जाने के बावजूद यहां पर आतंकवाद अब भी खत्म नहीं हुआ है। वह जम्मू में आतंक से पीड़ित लोगों से मिल रहे थे। उन्होंने कहा कि हम इन चिंताजनक घटनाओं का राजनीतिक लाभ नहीं लेना चाहते लेकिन एक तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकते कि अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद भी जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद जिंदा है।

नेता ने कहा कि विभाजनकारी राजनीति न तो हिंदुओं के और न ही मुसलमानों के हित में है,उन्होंने कहा, '' यह देश हम सभी का है और हम देश के लिए मिलकर काम करना चाहते हैं। सिंह ने कहा कि राजौरी जिले के डांगरी गांव सहित हाल में हुए आतंकवादी हमले चिंताजनक हैं।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने यह टिप्पणी जम्मू स्थित शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल में आतंकवाद के पीड़ितों से मुलाकात के बाद की। इस दौरान सिंह के साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश और जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मुख्य प्रवक्ता रविंद्र शर्मा भी थे, दिग्विजय सिंह ने कहा कि सबसे पहले हम राजौरी के डांगरी गांव और जम्मू के नरवाल में हुए आतंकवादी हमलों की निंदा करते हैं।

और मजबूत होगी महाविकास अघाड़ी

» उद्धव और प्रकाश करेंगे गठबंधन

» कांग्रेस, एनसीपी से भी बात करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे और वंचित बहुजन आघाडी के बीच गठबंधन लगभग तय हो गया है। शिवसेना नेता सुभाष देसाई ने कहा है कि 23 जनवरी को बालासाहेब ठाकरे की जयंती के मौके पर शिवसेना-वंचित बहुजन आघाड़ी गठबंधन की घोषणा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जब दो बड़ी पार्टियां एक साथ आती हैं, तो एक बड़ी प्रक्रिया होती है, लंबी चर्चा चलती है। जब वंचित बहुजन आघाडी के प्रमुख प्रकाश आंबेडकर से भी इस बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि शिवसेना और हमारे बीच गठबंधन को लेकर बातचीत हुई है। हमारा स्टैंड है कि उद्धव ठाकरे को गठबंधन की घोषणा करनी चाहिए। ठाकरे ग्रुप फिलहाल हमारे गठबंधन को लेकर कांग्रेस और एनसीपी से चर्चा कर रहा है।

प्रकाश अंबेडकर ने कहा है कि उद्धव ठाकरे को लगता है कि सभी को एक साथ आना चाहिए और गठबंधन की घोषणा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, एनसीपी ने हमें खारिज कर दिया था, लेकिन हमने उन्हें खारिज नहीं किया है। प्रकाश आंबेडकर ने स्पष्ट किया है कि वह चाहते हैं कि हमें केवल दलितों तक ही सीमित रहना चाहिए , लेकिन हमें कांग्रेस, एनसीपी की यह बात स्वीकार नहीं। 23 जनवरी को शिवसेना प्रमुख दिवंगत बालासाहेब ठाकरे की जयंती पर विधानभवन के सेंट्रल हॉल में बालासाहेब ठाकरे के तैल चित्र के अनावरण होगा। इस कार्यक्रम में ठाकरे के बेटे उद्धव ठाकरे और उनके परिवार की मौजूदगी को लेकर असमंजस बना हुआ है। यह कार्यक्रम शाम को छह बजे हैं। उसी समय शिवसेना उद्धव गुट ने षणमुखानंद हॉल में अपना अलग कार्यक्रम आयोजित किया है। बता दें कि विधानसभा सचिवालय ने उद्धव ही नहीं, ठाकरे के पूरे कुटुंब को आमंत्रित किया है। इनमें राज ठाकरे भी शामिल हैं। शिवसेना नेता संजय राउत ने इसे राजनीतिक कार्यक्रम करार दिया है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

क्या गोडसे की फिल्म भी होगी ब्लॉक : ओवैसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (बीबीसी) की बनी डॉक्यूमेंट्री सीरीज पर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने यूट्यूब लिंक वीडियो को ब्लॉक करने के फैसले को लेकर तीखे तेवर दिखाए हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या पीएम महात्मा गांधी की हत्या करने वाले गोडसे के बारे में आने वाली फिल्म को भी ब्लॉक कर देंगे। औवेसी ने कहा, मोदी सरकार ने ब्रिटिश कानूनों के आधार पर भारत में ट्विटर और यूट्यूब पर बीबीसी सीरीज पर प्रतिबंध लगा दिया है।

हम पीएम मोदी से पूछते हैं, क्या अंतरिक्ष या आसमान से किसी ने गुजरात दंगों में लोगों को मारा। उन्होंने सवाल किया कि गोडसे पर बीजेपी की राय क्या है? अब गोडसे पर एक फिल्म बन रही है, क्या पीएम गोडसे पर बन रही फिल्म पर भी बैन लगाएंगे? उन्होंने बीजेपी को गोडसे पर बनी फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की चुनौती दी। उन्होंने आगे कहा, दिल्ली में ल 20 के पोस्टर हैं जिन पर लिखा है 'Gw® in Mother of Democracy' और दूसरी तरफ बीबीसी डॉक्यूमेंट्री पर बैन लगाया जा रहा है। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि पीएम मोदी गोडसे की फिल्म पर भी प्रतिबंध लगा दें। इससे पहले तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने कथित सेंसरशिप को लेकर सरकार की आलोचना की थी।

नेता जी का जन्मदिन बना राजनीति का अखाड़ा

कांग्रेस, वाम मोर्चा व फारवर्ड ब्लाक ने भी बोस की जयंती पर लोगों को जोड़ा

» पश्चिम बंगाल में आरएसएस ने की रैली, ममता ने किया बड़ा कार्यक्रम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश की आजादी में अहम भूमिका निभाने वाले नेता जी सुभाष चंद्र बोस राजनैतिक दलों के पसंदीदा नेता है। आगमी 23 जनवरी नेता का जन्मदिन है। पश्चिम बंगाल में उनको लेकर सियासी पारा गरम हो गया। दरअसल आरएसएस ने बंगाल में नेता जी का जन्मदिवस मनाने की घोषणा की है। उधर तृणमूल कांग्रेस भी उनके जन्मदिन को धूमधाम से मना रही।

गौरतलब हो कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत पांच दिवसीय दौरे पर पश्चिम बंगाल में हैं। ऐसे में राजनैतिक पार्टियों में नेताजी की विरासत कब्जाने की होड़ मच गई है। बता दें कि 23 जनवरी को नेताजी की जयंती के मौके पर मोहन भागवत कोलकाता के ऐतिहासिक शहीद मीनार मैदान पर एक रैली में हजारों स्वयंसेवकों को संबोधित करेंगे। वहीं 23 जनवरी को ही राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शहर के रेड रोड पर स्थित नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगी। इतना ही नहीं कांग्रेस और नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वारा स्थापित फॉरवर्ड ब्लॉक और टीएमसी भी नेताजी की जयंती के मौके पर कई कार्यक्रमों का आयोजन करेंगी। ऐसे हालात में बयानबाजी भी खूब हो रही है।

आरएसएस ने दावा किया है कि आरएसएस संस्थापक डॉ. हेडगेवार और नेताजी की कई बार मुलाकात हुई। ऐसे में नेताजी की श्रद्धांजलि देने के लिए शहीद मीनार मैदान पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। हालांकि मशहूर इतिहासकार और कई किताबों के लेखक प्रोफेसर आदित्य मुखर्जी का कहना है कि नेताजी की विचारधारा सेक्यूलर, लोकतांत्रिक सिद्धांत और ब्रिटिश राज से विरोध, आरएसएस और हिंदू महासभा के बिल्कुल विपरीत हैं। नेताजी के परपोते सुगाता बोस भी 23 जनवरी को उनके पैतृक निवास पर एक सूफी कार्यक्रम का आयोजन कर रहे हैं। इस दौरान आईएनए के सदस्य भी मौजूद रहेंगे। नेताजी की परपोती माधुरी बोस का कहना है कि नेताजी की पूरा जीवन समावेश, सेक्यूलर चरित्र का उदाहरण है। माधुरी बोस ने कहा कि कोई भी नेताजी को श्रद्धांजलि दे सकता है लेकिन हमें और कई अन्य लोगों को लगता है कि नेताजी को सच्ची श्रद्धांजलि उनके उस विचार को अपनाकर होगी, जिसमें वह देश को जाति, धर्म से अलग एक समावेशी समाज बनाना चाहते थे। कलकत्ता यूनिवर्सिटी में इतिहास विभाग के अध्यक्ष किंशुक चटर्जी का कहना है कि राजनैतिक पार्टियां महान नेताओं को अपने फायदे के लिए अपना बनाती हैं और भारतीय राजनीति में यह सालों से होता आया है। उन्होंने कहा कि ऐसा ही नेताजी के साथ भी हो रहा है। कांग्रेस का दावा है कि नेताजी एक कांग्रेसी थे। वामपंथी पार्टियां नेताजी की समाजवादी नीतियों के चलते उनके साथ अपना नाम जोड़ती हैं। वहीं भाजपा विचारधारा के आधार पर नेताजी से जुड़ाव का दावा करती है।

सुभाष चंद्र बोस ने बनाई थी आजाद हिंद सरकार

सुभाष चंद्र बोस ने 1942 में अंग्रेजों से स्वतंत्रता हासिल करने के लिए आजाद हिंद फौज का गठन किया था। इसके बाद बोस देश से बाहर चले गए। 21 अक्टूबर 1943 को उन्होंने सिंगापुर में आजाद हिंद सरकार बनाई। बोस ही सरकार के प्रमुख थे। इसमें इंपीरियल जापान, नाजी जर्मनी और इटली और उनके मित्रों ने सहयोग दिया। आजाद हिंद सरकार की खुद की मुद्रा, कोर्ट और सिविल कोड भी था।

संघ के आलोचक थे नेताजी : अनीता बोस

» नेताजी की पुत्री बोलीं-संघ जयंती मनाना सही , पर विचार भी अपनाएं

23 जनवरी को पूरा देश नेताजी सुभाषचंद्र बोस की जयंती मनाएगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने भी इसे मनाने का फैसला किया है लेकिन ये बात नेताजी की बेटी अनीता बोस को पसंद नहीं आई है। उन्होंने इसकी निंदा की है और कहा कि नेताजी सुभाषचंद्र बोस आरएसएस के आलोचक थे। उन्होंने आगे कहा कि मैं यह देखूंगी कि वे सिर्फ जुबानी ही नेताजी के विचारों को सम्मान तो नहीं दे रहे हैं। हालांकि, नेताजी की बेटी ने कहा कि वे इस बात का सम्मान करती हैं कि आरएसएस उनका 126वां जन्मदिन मना रहा है। उन्होंने बताया कि नेताजी के सिद्धांतों का उपयोग करना उपमहाद्वीप के लिए फायदेमंद होगा। ज्ञात हो कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 126वीं जयंती कोलकाता की शहीद मीनार पर मनाने जा रहा है। कायक्रम में संघ के प्रमुख मोहन भागवत मुख्य वक्ता होंगे। अनीता बोस ने कहा, कि मेरे पिता एक ऐसे व्यक्ति थे जो एक कट्टर हिंदू थे लेकिन सभी धर्मों के प्रति सम्मान रखते थे और मानते थे कि हर कोई एक साथ रह सकता है। मुझे नहीं लगता कि आरएसएस इसमें विश्वास करता है। अगर आरएसएस ने नेताजी की विचारधारा को अपनाना शुरू कर दिया है, तो यह भारत के लिए अच्छा होगा। नेताजी धर्मनिरपेक्षता में विश्वास करते थे और मुझे यकीन नहीं है कि आरएसएस उस पर कायम है। अगर आरएसएस हिंदू राष्ट्रवादी विचारों का प्रचार करना चाहता है, तो वह नेताजी की विचारधारा से मेल नहीं खाएगा। अगर इसके लिए नेताजी का इस्तेमाल किया जाता है तो मैं इसकी तारीफ नहीं करूंगी।

पीएम मोदी ने स्थापित करवाया था इडिया गेट पर नेताजी की प्रतिमा

भाजपा के लिए नेता जी हमेशा सर्वोपरि रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेता जी से प्यार जगजाहिर है। उन्होंने इसी को ध्यान में रखते हुए अभी पिछले साल इंडिया गेट पर स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा का अनावरण किया था। नेताजी सुभाष चंद्र की यह प्रतिमा 28 फीट ऊंची है, इंडिया गेट पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा उसी स्थान पर स्थापित की गई है, जहां इस साल की शुरुआत में पराक्रम दिवस (23 जनवरी) के अवसर पर नेताजी की होलोग्राम प्रतिमा का अनावरण किया गया था। पीएम ने कहा थ कि ग्रेनाइट से बनी यह प्रतिमा हमारे स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी के योगदान के लिए उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी, और देश के उनके प्रति ऋणी होने का प्रतीक होगी। मुख्य मूर्तिकार अरुण योगीराज द्वारा तैयार की गई 28 फुट ऊंची इस प्रतिमा को एक ग्रेनाइट पत्थर पर उकेरा गया है और इसका वजन 65 मीट्रिक टन है। इससे पहले उन्होंने आजाद हिंद सरकार कीं 75वीं सालगिरह भी

धूमधाम से मनाई थी। इस अवसर पर आजाद हिंद फौज को समर्पित एक म्यूजियम की आधारशिला भी रखी। इस मौके पर लाल किले पर तिरंगा फहराया। इस मौके पर मोदी ने कहा कि देश में एक परिवार को बड़ा बनाने के लिए नेताजी के योगदान को भुलाया गया। सरकार इसे बदलने की कोशिश कर रही है। प्रधानमंत्री ने लाल किले पर कहा था कि 21 अक्टूबर ऐतिहासिक ध्वाजरोहण का दिन है। इसी लाल किले पर विक्ट्री परेड का सपना नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने 75 साल पहले देखा था। आजाद हिंद सरकार के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेते हुए उन्होंने सपना देखा था कि इसी लाल किले से भारत का तिरंगा फहराया जाएगा। आजाद हिंद सरकार अविभाजित भारत की सरकार थी। मैं सभी को आजाद हिंद सरकार के 75 वर्ष पूरे होने पर बधाई देता हूं। आजाद हिंद सरकार सिर्फ नाम नहीं था, बल्कि नेताजी के नेतृत्व में हर क्षेत्र से जुड़ी योजनाएं बनाई गई थीं। इस सरकार की अपनी मुद्रा, डाक टिकट और अपना गुप्त तंत्र था। नेताजी के अंदर वीरता की नींव बचपन में ही पड़ गई थी। उन्होंने 15-16 साल में गुलामी की पीड़ा मां से साझा की थी। उनसे पूछा था कि क्या इस दुखिया भारत मां का कोई पुत्र ऐसा नहीं, जो स्वार्थ को तिलांजलि देकर जीवन इसे समर्पित कर दे। आजादी ही उनका मिशन था। यही उनकी विचारधारा थी और यही कर्मक्षेत्र था।

त्रिपुरा में ममता के चेहरे पर ही चुनाव लड़ेगी टीएमसी

» पार्टी ने बनाया विस चुनाव के लिए स्टार प्रचारक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। जैसे मोदी भाजपा के सर्वमान्य चेहरा हैं वैसे ही अब टीएमसी भी उन्हें पूरे देश में तृणमूल कांग्रेस का चेहरा बनाने में लग गई है। इसकी शुरुआत वह त्रिपुरा में करने जा रही है। पार्टी ने फैसला किया है कि वह उनको आगे करके वहां का विधानसभा चुनाव लड़ेगी। गौरतलब हो कि भारत निर्वाचन आयोग ने 16 फरवरी को त्रिपुरा में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान की घोषणा कर दी है और वोटों की गिनती दो मार्च को होगी। टीएमसी पश्चिम बंगाल से बाहर भी अपना प्रभाव फैलाने के लिए प्रयास कर रही है। वहीं टीएमसी आगामी चुनाव में सुप्रीमो ममता बनर्जी को स्टार प्रचारक बनाने के साथ उनके चेहरे पर चुनाव लड़ेगी।

अभिषेक करेंगे ताबड़तोड़ चुनावी रैलियां अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने त्रिपुरा विधानसभा चुनाव को लेकर एक बैठक की, जिसमें पार्टी की त्रिपुरा इकाई के प्रमुख पीयूष कांति बिस्वास, राज्य प्रभारी राजीब बनर्जी और सांसद सुष्मिता देव ने भाग लिया। सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी को कड़ी टक्कर देने के लिए टीएमसी 43 पार्टी नेताओं को खड़ा करने पर विचार कर रही है। सूत्रों ने कहा कि माना जा रहा है कि अभिषेक बनर्जी चुनावों के लिए ताबड़तोड़ चुनावी रैलियां करेंगे। त्रिपुरा में पार्टी राज्य प्रभारी राजीब बनर्जी ने बताया कि जैसा कि त्रिपुरा में अगले महीने विधानसभा चुनाव होने हैं, इसके मद्देनजर रविवार को पार्टी की आगामी बैठक महत्वपूर्ण होगी। राजीब बनर्जी ने कहा कि हम त्रिपुरा में चुनाव लड़ रहे हैं, इसलिए अभिषेक बनर्जी ने आज एक बैठक की जिसमें कई चुनावी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस बात पर भी चर्चा हुई कि किन सीटों पर चुनाव लड़ा जाए।

एकला चलो में विश्वास करती है पार्टी

तृणमूल पार्टी की ओर फैसला किया गया है कि त्रिपुरा का चुनाव मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सामने रखकर होगा। त्रिपुरा में भी बंगाल की तर्ज पर चुनाव लड़ेंगे। 60 विधानसभा सीटों वाले त्रिपुरा चुनाव में टीएमसी कितने उम्मीदवारों को खड़ा कर रही है, राजीब ने कहा कि तृणमूल त्रिपुरा में 60 सीटों पर चुनाव लड़ेगी या नहीं, इस पर अगली बैठक में चर्चा की जाएगी। उन्होंने कहा कि तृणमूल कांग्रेस एकला चलो (अकेले चलो) की नीति में विश्वास करती है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

खेल विवाद पर स्थाई समाधान जरूरी

सरकार को इस पर कोई स्थाई समाधान ढूंढने की आवश्यकता है ताकि आगे इस तरह मामले सामने न आए, आए भी तो उनका शीघ्रताशीघ्र समापन हो जाए। निर्णय ऐसा हो कि सभी पक्ष संतुष्ट भी हो जाएं। पहलवान व संघ अध्यक्ष के बीच विवाद पर खेल मंत्रालय ने शनिवार को समिति के सदस्यों की घोषणा की। यह समिति चार सप्ताह में सभी आरोपों की जांच करेगी।

तीन दिनों तक चले पहलवानों के धरना प्रदर्शन का आखिर में पटाक्षेप हो गया। खेलमंत्री अनुराग ठाकुर ने खिलाड़ियों की मांग पर एक समिति बनाने का फैसला किया है जो चार सप्ताह में अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। समिति में कम से कम तीन सदस्य होंगे। ये सब तो ठीक है कि समिति बना दी गई। पर यह एक अस्थाई समाधान है। सरकार को इस पर कोई स्थाई समाधान ढूंढने की आवश्यकता है ताकि आगे इस तरह मामले सामने न आए, आए भी तो उनका शीघ्रताशीघ्र समापन हो जाए। निर्णय ऐसा हो कि सभी पक्ष संतुष्ट भी हो जाएं। खेलों में कभी यौन शोषण व तो कभी चयन को लेकर विवाद हमेशा उठते रहते हैं। देखने में आता है इसतरह के विवाद कुछ दिनों तक चर्चा में रहते हैं फिर खत्म हो जाते हैं पर विवाद वहीं रह जाते हैं। इस तरह के विवाद हाकी संघ, टेटे संघ व अन्य संघों या उनके अधिकारियों पर लगते रहें हैं। मामले दब जाते हैं। सरकार को ताजा विवाद के बाद अब इस ओर ध्यान देने की जरूरत है। पिछले कुछ सालों से हमारे खिलाड़ी विश्व स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इस तरह के विवाद से उनके खेलों पर प्रभाव पड़ता है और देश को नुकसान होता है। भारत में अमूमन खेल संघों में नेताओं का दखल देखने को मिलता है। केंद्र या राज्य में जिसकी भी सरकार होती है उससे जुड़ा ही कोई नेता राज्य या देश के संघों की ऊंची कुर्सियों पर काबिज हो कर अपनी मनमानी करता है, इससे खेल को हानि पहुंचती है।

उधर पहलवान व संघ अध्यक्ष के बीच विवाद पर खेल मंत्रालय ने शनिवार को समिति के सदस्यों की घोषणा की। यह समिति चार सप्ताह में सभी आरोपों की जांच करेगी। जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती है, तब तक बृजभूषण शरण सिंह डब्ल्यूएफआइ से खुद को अलग रखेंगे। हालांक कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष ने इस्तीफा देने से इनकार कर दिया है। उधर खेल मंत्री से मुलाकात के बाद पहलवान धरना खत्म करने के लिए भी तैयार हो गए हैं। खेल मंत्री ने कहा कि सभी खिलाड़ियों ने भारतीय कुश्ती संघ पर गंभीर आरोप लगाए और क्या सुधार ये चाहते हैं, ये बात भी सामने आई। उन्होंने कहा कि एक ओवरसाइट कमेटी का गठन किया जाएगा। अगले 4 हफ्तों में ये अपनी जांच को पूरा करेंगे सदस्यों को कमेटी बनेगी। उस कमेटी में महिलाओं की संख्या ज्यादा होगी। उधर जो आइओए की कमेटी है वह आंतरिक शिकायत कमेटी है। ये किसी भी खेल संघ में महिलाओं से जुड़े मामलों को जांच करेगी।

खेल मंत्रालय को ऐसा मैकेन्जिम बनाना चाहिए जिससे खेल प्रभावित न हो। इस तरह के विवादों पर राजनीति भी नहीं होनी चाहिए।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राजनीतिक सहमति की नीति से ही समाधान

योगेन्द्र योगी

देश के राजनीतिक दल वोट बैंक की राजनीति के नुकसान-फायदे के लिए आबादी की सुनामी के खतरों को अनदेखा कर रहे हैं। विश्व में अभी तक चीन जनसंख्या वृद्धि के मामले में सर्वोपरि था। चीन ने कठोर नीति से जनसंख्या को नियंत्रित करते हुए वृद्धि दर में लगाम लगा दी। चीन ने 1980 में वन चाइल्ड पॉलिसी को लॉन्च किया था। चीन में पिछले साल 2022 के अंत में 1.41 अरब लोग थे, जो 2021 के अंत की तुलना में 8,50,000 कम थे। इसके विपरीत भारत में जनसंख्या वृद्धि बेलगाम है। भारत इस साल चीन को पीछे छोड़ते हुए विश्व में सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन जाएगा। चीन की 1.426 अरब की तुलना में भारत की जनसंख्या 2022 में 1.412 अरब थी।

अनुमान लगाया जा रहा है कि 2050 में भारत की जनसंख्या 1.668 अरब हो जाएगी, जो चीन की उस समय की वर्तमान जनसंख्या से 0.317 अरब ज्यादा होगी। आबादी बढ़ने की देश को भारी कीमत चुकानी पड़ रही है। सुरसा के मुंह की तरह बढ़ रही जनसंख्या के कारण देश गंभीर रूप से बेकारी और गरीबी जैसी समस्याओं से लंबे अर्से से त्रस्त है। देश के प्राकृतिक संसाधनों पर बढ़ती आबादी का जबरदस्त दबाव है। 130 करोड़ आबादी के लिए गुणवत्ता युक्त सुविधाएं तो दूर, बुनियादी सुविधाएं जुटाने के लिए ही सरकारों के पसीने छूट रहे हैं। सीमित आर्थिक संसाधनों से केंद्र और राज्य सरकारें जन-कल्याणकारी योजनाओं के लिए बजट में इंतजाम करने के लिए हर बार जूझती हैं। विश्व की कुल जनसंख्या का 17.5 फीसदी हिस्सा भारत में निवास करता है, किन्तु भारत के पास मात्र 2.4 प्रतिशत भू-भाग ही है। जनसंख्या वृद्धि की वज़ह से गरीबी, भूख और कुपोषण की समस्या को प्रभावी ढंग से दूर करने और बेहतर स्वास्थ्य एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में बाधा आ रही है। स्थिर जनसंख्या वृद्धि के लक्ष्य के मामले में बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, मध्य प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्य पिछड़े हुए हैं। देश में लैंगिक अनुपात में गिरावट और लड़कियों के प्रति भेदभाव काफी अधिक है। करोड़ों लोगों के पास आज भी स्थायी आशियाना नहीं। सबसे अधिक मलिन बस्तियां भारत में ही हैं। दिन-प्रतिदिन पेट्रोलियम पदार्थों, रसोई गैस, भोजन सामग्री या अन्य वस्तुओं के मूल्य बढ़ते जा रहे हैं। सभी का मूल कारण जनसंख्या का दबाव है।

भारत में जनसंख्या नियंत्रण के लिए परिवार नियोजन योजना कारगर साबित नहीं हो सकी। विगत दिनों जनसंख्या नियंत्रण के लिए प्रभावी कानून लाए जाने की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने यह कहते हुए खारिज कर दी कि यह नीतिगत मसला है। अगर सरकार को जरूरत लगेगी तो वह फैसला करेगी। केंद्र में विभिन्न सरकारों में जनसंख्या नियंत्रण के लिए चिंता तो हुई लेकिन गंभीर प्रयास प्रभावी स्तर पर कम ही हुए। वोट बैंक की राजनीति के चलते सियासी दल इस मुद्दे पर कठोर उपाय करने से बचते रहे हैं। जनसंख्या के बढ़ने से जैविक ईंधनों की खपत बढ़ गई है। स्थिति यहां तक कि न तो शुद्ध वायु उपलब्ध है और न ही जल और भोजन आदि। पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए भूमि पर कम से कम 33 प्रतिशत भूभाग पर वन होना आवश्यक है। भारत में 15वीं भारत वन स्थिति रिपोर्ट के अनुसार, देश में कुल वनावरण 7,08,273 वर्ग किमी है जो कि कुल भौगोलिक क्षेत्र का मात्र 21.54 प्रतिशत है। इसी तरह से जल संसाधन , वायु संसाधन, मृदा संसाधन, खनिज संसाधन आदि का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। खनिज पदार्थों का बेतरतीब दोहन कर, नदियों पर विनाशकारी बांध बनाकर, चट्टानों को तोड़-तोड़ कर इमारतों, उद्योगों का निर्माण करके, वनों का विनाश करके मानव बस्तियां बसाई गयी हैं। कृषि योग्य भूमि का विकास किया गया है। जिससे धरातल पर असंतुलन उत्पन्न हो गया है। इन सभी कारणों से प्राकृतिक आपदाएं भूकंप, बाढ़, सूखा, अतिवृष्टि, चक्रवात, वैश्विक तापन आदि की बारंबारता का प्रतिशत बढ़ गया है। संयुक्त राष्ट्र की द वर्ल्ड पॉपुलेशन प्रोस्पेक्ट्स 2019 की रिपोर्ट के एक अनुमान के अनुसार भारत में युवाओं की बड़ी संख्या मौजूद होगी, लेकिन आवश्यक प्राकृतिक संसाधनों के अभाव में इतनी बड़ी आबादी की मूल आवश्यकताओं जैसे भोजन, आवास, चिकित्सा और शिक्षा को पूरा करना भारत के लिये सबसे बड़ी चुनौती होगी।

उच्च प्रजनन दर, बुजुर्गों की बढ़ती संख्या और बढ़ते प्रवासन को जनसंख्या वृद्धि के कुछ प्रमुख कारणों के रूप में बताया गया है। संयुक्त राष्ट्र के 2019 के वैश्विक बहुआयामी गरीबी सूचकांक के अनुसार, इस समय पूरी दुनिया में कुल 1.3 अरब गरीब हैं जिसमें से भारत में 64 करोड़ से घटकर 37 करोड़ रह गये हैं। नेशनल सैंपल सर्वे की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में बेरोजगारी दर 2017-18 में 45 साल के उच्च स्तर यानी 6.1 पर पहुंच गई है। यानी रोजगार के लिए तैयार हरेक 100 लोगों में से 6.1 व्यक्ति बेरोजगार हैं।

देश में जनसंख्या वृद्धि करीब विस्फोटक स्थिति में पहुंच चुकी है। सवाल है कि आखिर सरकारें कब जागेंगी। बेहतर होगा कि राजनीतिक दल इस मुद्दे पर राजनीति करने के बजाय आपसी समन्वय से ऐसी राष्ट्रीय नीति बनाए, जिससे आबादी के बढ़ते संकट को रोका जा सके।

अप्रिय टकराव रोकने की हो सार्थक पहल

विश्वनाथ सचदेव

हमारी विधानसभाओं और संसद में भी, ऐसे दृश्य अक्सर देखने को मिल जाते हैं, जिन्हें देखकर अनायास मुंह से निकल जाता है, काश! ऐसा न हुआ होता! ऐसा ही कुछ उस दिन तमिलनाडु विधानसभा में हुआ था। अवसर राज्यपाल के अभिभाषण का था। राज्यपाल अपना अभिभाषण पढ़ चुके थे। पर यह पढ़ने के दौरान उन्होंने कुछ ऐसा कह दिया जो नहीं कहा जाना चाहिए था, और कुछ ऐसा नहीं बोला जो बोला जाना चाहिए था। परंपरा है कि सदन प्रारंभ होने से पहले राज्यपाल संबंधित सरकार द्वारा तैयार की गयी अपनी नीतियों और कार्यों का विवरण-सदन में रखते हैं। जैसे राष्ट्रपति का ऐसा अभिभाषण केंद्र सरकार तैयार करती है और राष्ट्रपति को 'मेरी सरकार' का यह वक्तव्य पढ़ना या सदन के पटल पर रखना मात्र होता है, वैसे ही राज्यपाल भी राज्य सरकार द्वारा तैयार किया गया यह भाषण पढ़ते अथवा सदन के पटल पर रखते हैं। फिर उस पर बहस होती है और राज्यपाल के लिए धन्यवाद का प्रस्ताव पारित करके सरकार के इस वक्तव्य पर मोहर लगा दी जाती है। एक स्थापित परंपरा है यहां, पर उस दिन तमिलनाडु विधानसभा में ऐसा नहीं हुआ। राज्यपाल ने अभिभाषण तो पढ़ा, पर न उस पर बहस हुई, न धन्यवाद-प्रस्ताव पारित हुआ और न ही राष्ट्रगान की औपचारिकता ही निभायी गयी!

असल में राज्यपाल ने सरकार द्वारा तैयार किये गये अभिभाषण के कुछ हिस्से पढ़े ही नहीं, और कुछ शब्द अपनी तरफ से जोड़ भी दिये! भला सरकार को यह कैसे मान्य होता। मुख्यमंत्री ने खड़े होकर यह घोषणा कर दी कि राज्यपाल का यह व्यवहार अनुचित है और सदन की कार्रवाई में वही पूरा वक्तव्य मान्य माना जायेगा जो सरकार द्वारा तैयार किया गया है। पहले भी कुछ राज्यों में राज्यपाल सरकारों द्वारा तैयार किये गये वक्तव्य में से कुछ अंश न पढ़ कर अपना विरोध प्रकट कर चुके हैं, पर कुछ असहमति होने पर राज्यपाल अभिभाषण का शुरुआती हिस्सा पढ़कर कह देते हैं कि अभिभाषण को पूरा पढ़ा मान लिया जाये। पर तमिलनाडु के राज्यपाल ने ऐसा नहीं किया। यही नहीं, उन्होंने इसके बाद और जो कुछ किया, वह शायद ही किसी अन्य विधानसभा में हुआ होगा- मुख्यमंत्री द्वारा इस बारे में जो कहा गया, उसका विरोध करते हुए तमिलनाडु के राज्यपाल सदन का बहिष्कार करके सदन से उठकर चले गये!

राज्य सरकार ने राज्यपाल के इस बर्ताव पर आपत्ति तो दायर की ही है, एक प्रतिनिधिमंडल भेज कर राष्ट्रपति से यह आग्रह भी किया है कि संबंधित राज्यपाल को तत्काल राज्य से वापस बुला लिया जाये! यह पहली बार नहीं है जब किसी राज्यपाल ने 'अपनी सरकार' का इस तरह से विरोध किया है, और न ही यह पहली बार है जब किसी राज्यपाल को हटाये जाने की मांग की गयी है। कई राज्यों में पहले भी राज्यपाल और सरकार के बीच टकराव के उदाहरण देखने को मिलते रहे हैं। कुछ अर्सा पहले तक पश्चिम बंगाल के तत्कालीन राज्यपाल के 'अपनी सरकार' से टकराव के किस्से मीडिया की सुर्खियां बनते देखे गये थे। केरल, मेघालय, महाराष्ट्र आदि राज्यों के राज्यपाल के कहे-किये का विरोध संबंधित सरकारें करती रही हैं। दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर तो आये दिन 'अपनी सरकार' को काम न करने देने का आरोप झेलते रहते हैं। यह बात हाल-फिलहाल तक ही सीमित नहीं है। राज्यपालों और सरकारों का टकराव दशकों से देश देखता रहा है। खास तौर पर जब मामला ऐसे राज्यों का हो जहां केंद्र में सत्तारूढ़ दल के विरोधी दलों का शासन हो, इस तरह का टकराव अक्सर देखा जा रहा है। इस व्यवहार को, और इस स्थिति को, उचित नहीं ही कहा जा सकता। यह अनुचित भी है और दुर्भाग्यपूर्ण भी।

वास्तव में राज्यपाल-पद की व्यवस्था में ही इस टकराव के बीज थे। संविधान सभा में ही इसे लेकर शंका प्रकट की गयी थी। व्यवस्था यह है कि राज्यपाल नियुक्त करने का अधिकार केंद्र सरकार का होता है। इसलिए अक्सर राज्यपाल को राज्यों में केंद्र सरकार का एजेंट भी कहा जाता है, जबकि वह वस्तुत: एजेंट होना नहीं चाहिए। संविधान बनाते समय अपेक्षा यह की गयी थी कि सार्वजनिक जीवन से जुड़े गैर-राजनीतिक व्यक्तियों को राज्यपाल बनाया जायेगा, जो राज्य और केंद्र के बीच एक पुल का काम करेंगे। अपेक्षा यह भी की गयी थी कि केंद्र ऐसे व्यक्तियों को इस पद पर बिठायेगा जिनका विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट स्थान हो, और वे समाज द्वारा सम्मान की दृष्टि से देखे जाते हों। इसकी शुरुआत भी अच्छी हुई थी, पर धीरे-धीरे यह पद केंद्र में राज कर रही पार्टी द्वारा 'अपने आदमियों' को पुरस्कृत करने का जरिया बन गया। फिर जब केंद्र और राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक दलों की सरकारें बनने लगीं तो स्थिति और बिगड़ गयी। ऐसे व्यक्तियों को चुन-चुन कर राजभवनों में भेजा गया जो केंद्र में राज कर रहे राजनीतिक दल के इशारे पर, और उसके हित के लिए, राज्य सरकारों पर न केवल निगरानी रख सकें, बल्कि उनकी छवि बिगाड़ने में भी मददगार हो सकें। जनतंत्र में यह स्थिति स्वीकार्य नहीं हो सकती।

आजादी के तत्काल बाद, और फिर कुछ अर्सा तक, परंपरा यह भी बनी रही कि केंद्र सरकार राज्य सरकारों से सलाह-मशविरा करके राज्यपालों की नियुक्ति करती थी। तब, क्योंकि अधिकांश राज्यों में, और केंद्र में एक ही दल, कांग्रेस, की सरकारें थीं, इसलिए सलाह-मशविरे की परंपरा भी चलती रही। सवाल संविधान की मर्यादाओं की रक्षा का है। राज्यपाल और सरकारें, दोनों, संविधान की रक्षा और उसके अनुरूप कार्य करने की शपथ लेते हैं। आये दिन इस शपथ का उल्लंघन होते हुए देखना नितांत दुर्भाग्यपूर्ण है। कब बदलेगी यह स्थिति?

बच्चों में बढ़ाता है आत्मविश्वास

हार्वर्ड हेल्थ की रिपोर्ट के मुताबिक स्कूली उम्र के बच्चों (6 से 12 वर्ष की आयु) में शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, दोनों में सुधार के लिए योग की आदत बनानी चाहिए। बच्चों में संतुलन, शक्ति, धीरज बढ़ाने के साथ मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिमों को कम करने में योग से लाभ पाया जा सकता है। चिंता और तनाव जैसे विकारों को कम करने के साथ भविष्य में अवसाद के खतरे से बचाने में भी नियमित योग को फायदेमंद पाया गया है। शोधकर्ता बताते हैं कि रोजाना योग करने वाले बच्चों के सामाजिक कौशल, आत्मविश्वास में भी बेहतरी देखी गई है।

सुखासान है बहुत फायदेमंद

सुखासन योग बच्चों के लिए आसान और विशेष लाभप्रद हो सकता है। यह आसान सही तरीके से बैठने की मुद्रा है जिसमें पैरों को क्रॉस करके सीधे बैठना होता है। शरीर को आराम देने में मदद करने के साथ, बॉडी पॉश्चर को ठीक रखने, फोकस में सुधार करने, पीठ की मांसपेशियों को मजबूत करने और लचीलेपन को बढ़ावा देने में इससे मदद मिल सकती है। मानसिक एकाग्रता के लिए नियमित रूप से इस योगाभ्यास के लाभ हो सकते हैं।

बच्चों में डालें योग के नियमित अभ्यास की आदत

बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए है बहुत लाभदायक

ब बच्चों का स्वस्थ बचपन, बेहतर भविष्य की नींव मानी जाती है, बच्चों के लिए पौष्टिक आहार के साथ नियमित व्यायाम की आदत संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, जिस प्रकार से मौजूदा समय में बढ़ रही तमाम प्रकार की गंभीर बीमारियों के लिए शारीरिक निष्क्रियता को प्रमुख कारण के तौर पर देखा जा रहा है, इससे सीख लेते हुए सभी माता-पिता को सुनिश्चित करना चाहिए कि बच्चे नियमित रूप से योग-व्यायाम जरूर करें। यह आदत न सिर्फ शारीरिक रूप से उन्हें सक्रिय रखने में मदद करेगी साथ ही यह आदत उन्हें भविष्य में कई बीमारियों से सुरक्षित रखने में भी सहायक होगी। यूनाइटेड नेशंस इंटरनेशनल चिल्ड्रन इमरजेंसी फंड (यूनिसेफ) वैश्विक स्तर पर बच्चों के स्वस्थ पोषण और बेहतर भविष्य को लेकर जोर देता रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, योग के अभ्यास की आदत शारीरिक-मानसिक दोनों प्रकार के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।

वृक्षासन

वृक्षासन या ट्री पोज को बच्चों के लिए सबसे अच्छे योग पोज में से एक माना जाता है। बच्चों की ऊंचाई बढ़ाने, रक्त के संचार को ठीक रखने और शारीरिक विकास के लिए इस अभ्यास के लाभ हो सकते हैं। यह योगाभ्यास रचनात्मकता लाता है और संतुलन में सुधार करता है। शरीर की मुद्रा में गड़बड़ी के कारण होने वाली समस्याओं को कम करने और पैरों, कूल्हों, ग्लूट्स और कोर की मांसपेशियों को मजबूत करने में भी इस योग के लाभ हैं।

प्राणायाम और अनुलोम-विलोम

प्राणायाम दो शब्दों प्राण+आयाम से मिलकर बनता है। इसमें प्राण का मतलब श्वसन और आयाम का मतलब रोकना है। बच्चों के लिए प्राणायाम के अभ्यास की आदत बहुत फायदेमंद हो सकती है। कपालभाति सबसे महत्वपूर्ण प्राणायाम आसन है, यह संपूर्ण शरीर के लिए फायदेमंद है। पाचन तंत्र को ठीक रखने से लेकर, फेफड़ों को मजबूत बनाने, फोकस और याददाश्त में सुधार करने के लिए रोजाना इस योगासन को किया जा सकता है। इसी तरह अनुलोम-विलोम का अभ्यास भी बच्चों के लिए जरूरी है। यह फोकस और फेफड़ों की क्षमता बढ़ाने, पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन की पूर्ति और हैप्पी हार्मोन रिलीज करने में सहायक है। प्राणायाम के अभ्यास प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती देते हैं।

हंसना मना है

प्रेमिका: तुमको पता है कल मेरा बर्थडे है? मुझे क्या गिफ्ट दोगे? प्रेमी: जो तुम चाहो मेरी जान। प्रेमिका: रिंग? प्रेमी: ठीक है रिंग दूंगा पर उठाना मत, बैलेंस बहुत कम है।

दो पंड़ितों में लड़ाई हो रही थी, उन्हें लड़ते बहुत देर हो गयी, तीसरा पंड़ित: क्या हुआ, क्यों लड़ाई कर रहे हो? एक पंड़ित बोला, जब मैं लहसुन, प्याज नहीं खाता, तो इस साले ने चिकन में डाला ही क्यों?

एक बार किसी ने पूछा की ये शादी कब होती है? जवाब ये था की जब आपका समय अनुकूल ना हो, राहु केतु और शनि की दशा खराब हो, आपका मंगल कमजोर हो, और भगवान ने भी आपकी मजे लेने की ठान ली हो। उस समय शादी हो जाती है!

पति: काश! मैं गणपति होता, तुम रोज मेरी पूजा करती, मुझे लड्डू खिलाती, बड़ा मजा आता। पत्नी: हां, काश तुम गणपति होते, मैं रोज लड्डू खिलाती, और हर साल विसर्जन करके नए गणपति घर लाती, बड़ा मजा आता!

लड़का और लड़की एक रेस्टोरेंट गए, वेटर: म्याम, आप कुछ लेंगी? लड़की: भैया एक सब्जी वाली रोटी लाना। वेटर: क्या? लड़का: गांव से आयी है, पिज्जा वाली रोटी मांग रही है।

कहानी | बंदर और लकड़ी का खूंटा

एक बार शहर से थोड़ी दूर में एक मंदिर बनाया जा रहा था। उस मंदिर के निर्माण में लकड़ियों का इस्तेमाल किया जा रहा था। लकड़ियों के काम के लिए शहर से कुछ मजदूर आए हुए थे। एक दिन मजदूर लकड़ी चीर रहे थे। सारे मजदूर रोज दोपहर का खाना खाने के लिए शहर जाया करते थे। उस दौरान एक घंटे तक वहां कोई भी नहीं रहता था। एक दिन दोपहर के खाने का समय हुआ, तो सभी जाने लगे। एक मजदूर ने लकड़ी आधी ही चीर थी। इसलिए, वह बीच में लकड़ी का खूंटा फंसा देता है, ताकि दोबारा चीरने के लिए आरी फंसाने में आसानी हो। उनके जाने के कुछ समय बाद बंदरों का एक समूह वहां आया। उसमें एक शरारती बंदर था, जो वहां पड़ी चीजों को उल्टा-पुल्टा करने लगा। बंदरों के सरदार ने सभी को वहां रखी चीजों को छेड़ने से मना किया। कुछ समय बाद सारे बंदर पेड़ों की तरफ वापस जाने लगे, तो वह शरारती बंदर सबसे बचकर पीछे रह जाता है और शरारत करते-करते उसकी नजर उस अधचिरे लकड़ी पर पड़ती है, खूंटे को देखकर बंदर सोचने लगा कि उस लकड़ी को वहां पर क्यों लगाया है, उसे निकालने पर क्या होगा। फिर वह उस खूंटे को बाहर निकालने के लिए खींचने लगता है। बंदर के अधिक जोर लगाने पर वह खूंटा हिलने और खिसकने लगता है, जिसे देखकर बंदर खुश होता है और जोर लगाकर उस खूंटे को सरकाने लगता है। वह खूंटे को निकालने में इतना मगन हो जाता है कि उसे पता ही नहीं चलता कि कब उसकी पूंछ दोनों पाटों के बीच में आ गई। बंदर पूरी ताकत के साथ खूंटे को खींचकर बाहर निकाल देता है। खूंटा निकलते ही लकड़ी के दोनों भाग चिपक जाते हैं और उसकी पूंछ बीच में फंस जाती है। पूंछ के फंसने पर बंदर दर्द के मारे चिल्लाने लगता है और तभी मजदूर भी वहां पहुंच जाते हैं। उन्हें देखकर बंदर भागने के लिए जोर लगाता है, तो पूंछ टूट जाती है। वह चीखते हुए टूटी पूंछ लेकर भागता हुआ अपने झुंड के पास पहुंच जाता है। वहां पहुंचते ही सभी बंदर उसकी टूटी हुई पूंछ देखकर हंसने लगते हैं।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज व्यापार और नौकरी के क्षेत्र में आपको बहुत सफलताएं मिल सकती है। रोजगार में आप लोगों को फायदा मिलेगा। पैसो से जुड़े मामले सुलझेंगे।

तुला

आपके घर किसी मेहमान के आने की संभावना है। आपका कम्यूनिकेशन और काम करने की क्षमता असरदार सिद्ध होंगे। आपकी इनकम में बढ़ोत्तरी हो सकती है।

वृषभ

आज का दिन आपका थोड़ा कमजोर रहने वाला है। पर मानसिक रूप से काफी परेशान रहेंगे और शारीरिक रूप से भी कुछ परेशानी आपको आज दिक्कतें दे सकती है।

वृश्चिक

खान-पान पर अगर आपने ध्यान नहीं दिया तो आप बीमार पड़ सकते हैं। घर में सुख सुविधाएं रहेंगी। माता-पिता का सहयोग मिलेगा और हर काम को मजबूती से निभाएंगे।

मिथुन

आपका व्यवहार दूसरों का ध्यान अपनी तरफ़ खींचेगा। आज आप अपनी मधुर बातों की वजह से अपने काम निकलवाने में कामयाब होंगे।

धनु

आज के दिन आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। जीवनसाथी के ननिहाल से कोई बड़ी खुशखबरी आ सकती है। आप सामने आई समस्याओं को हल आसानी से निकाल सकते है।

कर्क

आज अपने दुश्मनों पर भारी रहेंगे। अपने मनमौजी बर्ताव पर काबू रखें। कोर्ट-कचहरी के फैसले आपके हित में आएंगे। आर्थिक स्थिति नाजुक हो ऐसी अनुभूति प्रतीत होगी।

मकर

आज का दिन मकर राशि वालों के लिए फलदायक रहने वाला है। उन्नति के योग बन रहे हैं। नये लोगो से मुलाकात होगी। आपके व्यवसाय में तथा आय में प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

सिंह

आज का दिन उतार-चढ़ाव से भरा रहने वाला है। आप अपनी संतान के प्रति अधिक गंभीरता से विचार करेंगे उनकी पढ़ाई और स्वास्थ्य को लेकर चिंतित हो सकते हैं।

कुम्भ

आज का दिन काफी पैसा बरसाने वाला है। आज आपकी आमदनी में अचानक से बढ़ोतरी होगी जो बहुत खुशी देगी। बॉस की कृपा आपको प्राप्त होगी और आपका ओहदा बढ़ेगा।

कन्या

आज आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। पूरी ऊर्जा के साथ आज जिस काम को करेंगे वो समय से पहले पूरे हो जाएगा। आज पैसे कमाने की नई योजना बनाएंगे।

मीन

आज आपका वैवाहिक जीवन पहले की अपेक्षा काफी खुशनुमा रहेगा। वाहन को सावधानीपूर्वक चलाएं, वरना हल्की-फुल्की चोट लग सकती है।

बॉलीवुड | मन की बात

इमरजेंसी के लिए गिरवी रखी सारी प्रॉपर्टी : कंगना

कंगना रनौत ने अपनी फिल्म इमरजेंसी की शूटिंग पूरी कर ली है। इस फिल्म के पूरे होने का ऐलान उन्होंने सोशल मीडिया पर किया। कंगना ने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ ही उन्होंने लंबी पोस्ट लिखकर कई बड़े खुलासे किए। उन्होंने बताया कि कैसे इस फिल्म को बनाने के लिए उन्होंने अपना खून-पसीना तो बहाया ही है, साथ ही अपनी सारी प्रॉपर्टी भी गिरवी रख दी है। फोटोज में कंगना रनौत को डायरेक्टर की भूमिका निभाते देखा जा सकता है। वो मॉनिटर को देखते हुए माइक पर कुछ कहती नजर आ रही हैं। अपने पोस्ट में एक्ट्रेस लिखती हैं, मैंने आज एक्टर के रूप में अपनी फिल्म इमरजेंसी की शूटिंग को खत्म किया है। मेरी जिंदगी का एक सबसे ज्यादा गौरवशाली पल खत्म हुआ है। आपको ऐसा लग सकता है कि मैंने इसे आराम से पूरा कर लिया, लेकिन सच्चाई इससे बहुत अलग है। उन्होंने आगे लिखा, अपनी सारी प्रॉपर्टी, एक-एक चीज जो मेरी है उसे मैंने इस फिल्म के लिए गिरवी रखा। फिल्म के पहले शिड्यूल के दौरान मुझे डेंगू भी हुआ। मेरे शरीर में ब्लड सेल्स खतरनाक रूप से कम होने के बावजूद मैंने इसकी शूटिंग की। एक इंसान के रूप में मेरे कैरेक्टर का गंभीर परीक्षण इस फिल्म को बनाने के दौरान हुआ है।

राधिका के बयान पर बिफरीं एकता कपूर

टीवी इंडस्ट्री पर कुत्ते एक्ट्रेस राधिका मदान को टिप्पणी करना महंगा पड़ गया है। पहले सायंतनी घोष ने पलटवार किया था। उन्होंने एक्ट्रेस की जमकर आलोचना की थी। कहा था कि जहां से वह सीखकर गई हैं, आज उसी को भला-बुरा कह रही हैं, जो कि बहुत दुख की बात है। अब प्रोड्यूसर एकता कपूर ने भी रिएक्ट किया है। उन्होंने इसे दुखद और शर्मनाक बताया है। प्रोड्यूसर ने सायंतनी का वीडियो अपने इंस्टाग्राम स्टोरी में शेयर कर राधिका तो लताड़ा है।

राधिका मदान ने टीवी से ही अपने करियर की शुरुआत की थी। वह मेरी आशिकी तुम से ही से डेब्यू किया था। इसमें सालों काम करने के बाद फिल्मों का रुख किया था। हाल ही में उनकी फिल्म कुत्ते रिलीज हुई है। अब इसी के किसी प्रमोशन के दौरान उन्होंने इंडिया फोरम्स को इंटरव्यू दिया था। इसमें राधिका ने टीवी इंडस्ट्री के बारे में कहा था- मैंने 48 से 56 घंटे लगातार काम किया है। वो लोग ऐसे आते थे वैन में... स्क्रिप्ट पूछती थी तो कहते थे- आप सेट पर चलिए गरमागरम निकलकर आ रही है। और मोनोलॉग्स आते थे। ऐसा भी नहीं था। बोलते थे- रात का टेलीकास्ट है, जल्दी करिए जल्दी करिए।

राधिका मदान ने कही थी ये बातें

राधिका मदान ने कहा-हमारे डायरेक्टर्स हर महीने बदलते थे। जो डायरेक्टर फ्री हो गया वो आएगा। इनको कैरेक्टर्स याद है। मुझे याद है कि डायरेक्टर वहीं पर थे और मैं उनसे अपने किरदार के बारे में ही बस पूछ रही थी कि मेरा किरदार ऐसा नहीं है क्योंकि उसके साथ बचपन में ही ये सब हो गया है। वो डायरेक्टर इधर-उधर कर रहे थे। परेशान से हो गए थे और बाद में बोला कि राधिका जब हम मूवी करेंगे तो एक सीन को तीन दिन तक डिस्कस करेंगे।

बॉलीवुड | मसाला

अनिल कपूर की सीरीज द नाइट मैनेजर का ट्रेलर रिलीज

अनिल कपूर और आदित्य रॉय कपूर की एक्शन वेब सीरीज द नाइट मैनेजर इस साल की बहुप्रतीक्षित सीरीज में से एक है। डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर आ रहे इस शो से आदित्य रॉय कपूर अपना ओटीटी डेब्यू करने जा रहे हैं। शो का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जो एक्शन से भरपूर है।

हाल में ही हॉटस्टार के सोशल मीडिया पेज पर The Night Manager से अनिल और आदित्य के किरदारों के मोशन पोस्टर जारी किया गया था। इसी के साथ ट्रेलर की रिलीज डेट का खुलासा किया गया था। फाइनली आज सीरीज का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ट्रेलर एक्शन से भरपूर है। वहीं अनिल और आदित्य का धांसू लुक नजर आ रहा है। ट्रेलर रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा हैं। इस सीरीज से पहले भी अनिल कपूर और आदित्य रॉय कपूर मलंग में साथ काम कर चुके हैं। द नाइट मैनेजर का निर्देशन संदीप मोदी ने किया है। शो में इन दोनों कलाकारों के अलावा शोभिता धुलिपाला, तिलोत्तमा शोम, शाश्वत चटर्जी, रवि बहल, अरिस्ता सिंह मेहता अहम भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं।

द नाइट मैनेजर एक ब्रिटिश वेब सीरीज है, जिसके हिंदी रीमेक में बॉलीवुड स्टार नजर आने वाले हैं। बता दें कि उस शो को सुजैन बायर ने निर्देशित किया था और लोकी फेम टॉम हिडल्टन ने लीड रोल निभाया था।

अजब-गजब | इस देश में निभाई जाती है अनोखी परंपरा

आत्मा शुद्ध करने के लिए कड़कड़ाती ठंड में बर्फ के पानी से नहाते हैं लोग

दुनियाभर में आज भी लोग अपनी आत्मा की शुद्धि के लिए अलग-अलग रीति-रिवाजों का पालने करते हैं। इनमें से कुछ रीति-रिवाज तो ऐसे होते हैं जिनके बारे में सुनकर ही किसी की भी रूह कांप जाए। जापान में भी आत्मा की शुद्ध के लिए लोग एक ऐसी ही परंपरा का सदियों से पालन करते आ रहे हैं। इस परंपरा को यहां शिंटो के नाम से जाना जाता है। जिसमें लोगों को कड़कड़ाती ठंड में बर्फ वाले पानी से नहाना होता है।

बता दें कि जापान में ये परंपरा है कड़कड़ती ठंड में ही निभाई जाती है। जिसमें लोग आइस वॉटर यानी बर्फ के पानी से नहाते हैं। शिंटो परंपरा के दौरान लोग सफेद कपड़े पहने हुए बर्फ के पानी के स्नान में जाने से पहले ताली बजाते हैं और जप करते हैं। बता दें कि इस साल जापान में ये त्योहार 14 जनवरी को मनाया गया। जिसमें पुरुषों का एक समूह अपनी आत्मा को शुद्ध करने और पूरे साल अच्छे भाग्य की कामना करने के लिए बर्फ के पानी से स्नान करता नजर आया।

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, इस महोत्सव का आयोजन टोक्यो के कांडा मायोजिन मंदिर में किया जाता है। जहां सैकड़ों की संख्या में लोग ठंडे पानी में स्नान करने के लिए इकट्ठे होते हैं।

इस त्यौहार में पुरुष अपने शरीर पर बर्फ के ठंडे पानी से भरे बर्तन अपने ऊपर डालते हैं। हर साल की तरह इस साल भी उन्होंने इस त्यौहार को उसी प्रकार से मनाया और ठंडे पानी से स्नान किया। बता दें कि ये त्यौहार हर साल जनवरी के दूसरे रविवार को मनाया जाता है। जिसमें पुरुष सफेद लंगोटी और सिर पर पट्टियां पहनते हैं।

वहीं, इस साल श्रद्धालुओं को कुल 6 मिनट तक बर्फीले पानी से नहाते देखा गया। इस फेस्टिवल में सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लिया। और पूरे साल अपनी तरक्की और सलामती की दुआ की।

भारत के एक गांव में भगवान की तरह होती है बिल्लियों की पूजा

भारत में हजारों मंदिर हैं और हर मंदिर की अपनी एक विशेषता है। बता दें कि भारतीय संस्कृति में पेड़ पौधों से लेकर पहाड़ नदियों आदि को पूजा जाता है। यहां लोग ईश्वर और देवी देवताओं की तो पूजा करते ही हैं लेकिन उनके वाहनों की भी पूजा करते हैं। मंदिरों में आपने अक्सर भगवान और देवी देवताओं की ही मूर्तियां और उनकी पूजा होते हुए देखी होगी। लेकिन भारत में एक ऐसा अनोखा मंदिर भी है, जहां बिल्लियों की पूजा होती है। ऐसा एक दो साल से नहीं बल्कि सैंकड़ों वर्षों से होता आ रहा है। यह अनोखा मंदिर कर्नाटक राज्य के मांड्या जिले में है। इस मंदिर का नाम बेक्कालेले है। बताया जाता है कि इस गांव में लोग पिछले 1000 साल से बिल्लियों की पूजा कर रहे हैं। यहां के लोगों का मानना है कि बिल्ली देवी का अवतार है। इसी वजह से यहां पूरे विधि विधान से उनको पूजा जाता है। यहां के लोग बिल्लियों को देवी मंगम्मा का रूप मानते हैं। यह मंदिर बेक्कालेले गांव में पिछले 1000 सालों से मौजूद है। इस गांव के लोग देवी मंगम्मा को अपनी कुलदेवी मानते हैं। इसी वजह से उनके रूप बिल्लियों को अगर गांव में कोई नुकसान पहुंचाता है तो उसे गांव से निकाल दिया जाता है। इस गांव में अगर किसी बिल्ली की मौत हो जाती है तो उसका अंतिम संस्कार पूरे रीति-रिवाज के साथ किया जाता है। लोगों के कहना है कि सैकड़ों साल पहले यह पूरा गांव बुरी ताकतों से त्रस्त था। जब बुरी ताकतों का आतंक चरम पर पहुंचा तो माता देवी मंगम्मा ने बिल्ली का रूप धारण किया और बुरी ताकतों को मार भगाया। जब देवी मंगम्मा अचानक से इस गांव से गायब हो गईं तो उन्होंने यहां पर एक जगह निशान छोड़ा। बाद में उसी जगह पर मंदिर बनाया गया और बिल्लियों की पूजा की जाने लगी।

समाजवादी विचारधारा से आएगी देश व प्रदेश में खुशहाली: अखिलेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» जातीय जनगणना कराने का बिहार सरकार का फैसला स्वागत योग्य
» सपा सारे विपक्ष को एकजुट करने में जुटी
» भाजपा सरकार लोकतंत्र को कर रही तहस-नहस

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि समाज की समस्याओं के समाधान का रास्ता सिर्फ समाजवादी विचारधारा दे सकती है। भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा यह सरकार सिर्फ नफरत और भेदभाव बढ़ा रही है। पूर्व सीएम रविवार को जनेश्वर मिश्र की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

सपा सुप्रीमो ने कहा कि समाजवादी विचारधारा सबको बराबरी का हक और सम्मान देती है। भाजपा सरकार समाज में नफरत और भेदभाव बढ़ा रही है। भाजपा संविधान में दिए गए लोकतांत्रिक अधिकारों को छीन रही है। यह सरकार सामाजिक न्याय की दुश्मन और पिछड़ों, दलितों की विरोधी है।

जनेश्वर मिश्र पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने केबाद सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सपा ने हमेशा जातीय जनगणना के पक्ष में रही है। भाजपा को भी जनगणना करानी चाहिए। बिहार सरकार जातीय जनगणना कराने का फैसला लेकर अच्छा कदम उठाया है। लोकसभा चुनाव की रणनीति के सवाल पर उन्होंने कहा कि विपक्ष एकजुट हो रहा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी हो या तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर, ये सभी नेता विपक्षी ताकत को बढ़ाने में जुटे हैं। भाजपा सरकार के दिन पूरे हो गए हैं। वह सभी 80 सीटें हार सकती है। अब 388 दिन ही बचे हैं।

ईस्ट इंडिया कंपनी की सरकार बन गई मोदी सराकर

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा को फिरोजाबाद के मेडिकल कॉलेज का हाल देखना चाहिए, जिसकी नींव उन्होंने खुद रखी थी। इसी तरह जनेश्वर मिश्र, रिवर फ्रंट आदि को भी भाजपा सरकार ने तहस नहस कर दिया है। भाजपा ऐसे कानून बना रही है जिससे पूरी सरकार प्राइवेट हाथों में चली जाए। इसी तरह से एक कानून ब्रिटेन में पास हुआ था। उसके बाद भारत में कारोबार करने वाली ईस्ट इंडिया कंपनी की सरकार बन गई थी। भाजपा सरकार भी उसी रास्ते पर काम कर रही है। प्रदेश और देश की बिगड़ी स्थिति को समाजवादी विचारधारा ही सुधार सकती है। निवेश के सवाल पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा कह रही है कि 17 लाख करोड़ का निवेश आ रहा है। जब दूसरे प्रदेशों में भी इसी तरह से निवेशक सम्मेलन हो रहे हैं तो वहां से यहां निवेश कैसे आएगा? भाजपा सरकार जनता को सिर्फ धोखा दे रही है।

बिकरू कांड: जमानत पर आई खुशी दुबे पर रहेगी सीसीटीवी की निगरानी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। बिकरू कांड की सबसे चर्चित आरोपित खुशी दुबे जमानत पर छूटकर अपने घर आ गई है। ऐसे में पुलिस ने उसकी खुफिया निगरानी शुरू कर दी है। खुशी से मिलने कौन आ रहा है? खुशी कब घर से बाहर निकल रही है जानकारियों के लिए पुलिस ने उसके घर के आसपास सीसीटीवी कैमरे लगा दिए हैं। रतनपुर निवासी खुशी दुबे शनिवार को ढाई साल बाद जेल से रिहा होकर अपने घर पहुंची थी। खुशी दुबे को लेकर तमाम सवालात उठते रहे हैं। इस मसले पर खूब राजनीति भी हुई है।

पुलिस उसकी निगरानी कर रही है। शनिवार रात करीब 9.00 बजे खुशी दुबे अपने घर पहुंची थी। आधी रात के बाद जब पूरा मोहल्ला सो गया खुशी के घर की ओर आने वाले रास्तों पर सीसीटीवी कैमरे लगा दिए। दो कैमरे मुख्य मार्ग के चौराहे पर लगाए गए हैं ताकि यहां आने जाने वाले हर व्यक्ति पर निगाह रखी जा सके। मकान के दूसरी छोर के रास्ते पर लगाया गया है जबकि एक कैमरा खुशी दुबे घर के सामने बिजली के पोल पर लगा है। पुलिस ने अपने सीसीटीवी कंट्रोल रूम से जोड़ा है।

कंट्रोल रूम से सीधी निगाह रखी जा रही है कि खुशी दुबे से कौन मिलने आ रहा है। पुलिस की इस कार्यवाही पर खुशी दुबे के वकील शिवाकांत दीक्षित नेसवाल खड़े किए हैं। शिवाकांत के मुताबिक पुलिस ऐसा करके खुशी दुबे को प्रताड़ित करने का काम कर रही है।

बॉलीवुड से जुड़ेगा पंजाबी सिनेमा: सीएम भगवंत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई पहुंचे पंजाब के मुख्यमंत्री

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने राज्य में बड़ी फिल्म सिटी बनाने का ऐलान किया है। भारत में ही नहीं बल्कि दुनियाभर में पंजाबी म्यूजिक, गानों और पंजाबी सिंगर्स से लेकर पंजाबी फिल्मों के बढ़ते क्रेज और दीवानगी को देखते हुए अब पंजाब सरकार बॉलीवुड इंडस्ट्री को उभरते पंजाबी सिनेमा से जोड़ने की तैयारी कर रही है। इससे पंजाब के युवाओं और उभरती प्रतिभाओं को और निखरने व नाम कमाने का मौका मिलेगा।

मुंबई पहुंचे सीएम मान ने कहा, 'मैं यहां पंजाबी सिनेमा इंडस्ट्री को बॉलीवुड से जोड़ने के लिए आया हूं। मैं मुंबई में स्थित फिल्म स्टूडियोज से आग्रह करूंगा कि वे अपने स्टूडियो पंजाब में भी स्थापित करें। ऐसा होने से न केवल पंजाबी सिनेमा उद्योग को पंख लगेंगे बल्कि पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री की उभरती प्रतिभाओं को भी बेहतर करियर और प्लेटफॉर्म मिलेगा।

मौत की रफ्तार: सड़क हादसों में 17 ने गंवाई जान

» केरल के अलाप्पुझा जिले में कार और ट्रक की भिड़ंत में पांच युवकों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। 23 जनवरी के दिन की शुरुआत सड़क हादसों की खबरों के साथ हुई। रविवार देर रात से लेकर सोमवार सुबह तक उत्तर प्रदेश, केरल समेत अन्य राज्यों को मिलाकर चार हादसों की खबरें आई हैं। इन सड़क हादसों में 17 लोगों की मौत हुई है।

केरल के अलाप्पुझा जिले में अंबालाप्पुझा के पास दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। हादसा उस वक्त हुआ जब तिरुवनंतपुरम की ओर जा रहे एक ट्रक से कार की टक्कर हो गई। इस हादसे में पांच युवकों की मौत हो गई। अंबालाप्पुझा पुलिस ने बताया कि ट्रक और कार की भीषण टक्कर के बाद चार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक की अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि ये हादसा राष्ट्रीय राजमार्ग पर देर रात हुआ।

उन्नाव में सड़क दुर्घटना ने लील ली छह की जिंदगी

उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में हुए भीषण सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई है। यहां एक तेज रफ्तार ट्रक ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है। घटना लखनऊ-कानपुर हाईवे के पास अचलगंज थाना क्षेत्र में हुई। मृतकों की पहचान छोटेलाल (32), शिवांग (30), विमलेश (60), रामप्यारी (45) और उनकी बेटी शिवानी (13) के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर भारी पुलिस बल पहुंचा। हादसे के बाद नाराज लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

बारिश बढ़ा रही गलन, दिन में धूप से राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश का मौसम हर दिन करवट ले रहा है। शाम में हल्की बारिश के बाद सोमवार की सुबह मौसम साफ रहा। हालांकि तीखी हवाओं की वजह से कुछ गलन बढ़ी और लोग घरों में दुबके रहे। हाल के दिनों में मौसम ऐसा है कि सुबह और शाम के वक्त कंपकंपी के एहसास के साथ ही दिन में धूप खिली नजर आ रही है। हालांकि इस सप्ताह मौसम विभाग की तरफ से बारिश का अनुमान जताया गया है।

बात अगर राजधानी लखनऊ की करें तो यहां हल्की बूंदाबांदी के बाद सोमवार की सुबह ठंड और हल्की हवाएं रहीं। तीखी हवाओं में गलन का एहसास हो रहा है। उम्मीद है कि मौसम साफ होने की वजह से गर्मी का अहसास होगा। 26 जनवरी तक हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान जताया गया है। यहां विजिबिलिटी भी 500 मीटर दर्ज की गई।

पश्चिमी यूपी में कोहरे का असर

गाजियाबाद में भी कोहरे का असर दिखा। उत्तराखंड के पहाड़ों से आई ठंडी हवाओं और वातावरण की गर्मी से कोहरे जैसी स्थिति बनी है। इस वजह से सुबह लोगों को गाड़ी चलाने में परेशानी हुई। सुबह के समय सात बजे तक नोएडा में विजिबिलिटी 100 मीटर की दर्ज की गई। दिन के समय धूप निकलने से स्थिति सामान्य हुई और लोगों को राहत का अहसास हुआ। हवाओं के रुकने की वजह से प्रदूषण का लेवल लगातार बड़ा है। गाजियाबाद में भी कुछ इस तरह की स्थिति बनी हुई है। मेरठ से नोएडा तक रविवार को दिन चढ़ने के साथ ही धूप निकलने का अनुमान है। इससे लोगों को गर्मी के जैसा अहसास होगा। इन दोनों शहरों में अधिकतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान जताया है। वहीं, न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। इन दोनों शहरों में अगले 3 दिनों तक बादल छाए रहने और कुछ इलाकों में छींटे पड़ने का अनुमान है। वाराणसी में भी कोहरे जैसी स्थिति से लोगों को राहत मिलती दिखी। नमी का स्तर अधिक रहने से लोगों को रात और सुबह के वक्त कंपकंपाहट का अहसास हो रहा है। कोहरा नहीं होने की वजह से सुबह 8 बजे शहर में विजिबिलिटी एक किलोमीटर तक दर्ज की गई। यहां अधिकतम तापमान 24 डिग्री और न्यूनतम तापमान 12 सेल्सियस के आसपास रह सकता है।

बम धमाके से भी नहीं डरेंगे राहुल : वेणुगोपाल

कुछ भी हो जाए, भारत जोड़ो यात्रा रहेगी जारी, अंतिम पड़ाव पर जम्मू-कश्मीर में है यात्रा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। यात्रा के जम्मू पहुंचने से पहले शहर के बाहरी इलाके नरवाल में एक के बाद एक बम धमाके पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। पार्टी की ओर से ये भी साफ कहा गया था कि कुछ भी हो जाए, भारत जोड़ो यात्रा जारी रहेगी। इन धमाकों के बाद कांग्रेस ने राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी।

30
जनवरी को जम्मू और कश्मीर की राजधानी श्रीनगर पहुंचकर संपन्न होगी भारत जोड़ो यात्रा

गौरतलब हो राहुल की यात्रा श्रीनगर पहुंचकर संपन्न होगी। उधर वेणुगोपाल ने दिए निर्देश कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा अब अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुकी है। भारत जोड़ो यात्रा 30 जनवरी को जम्मू और कश्मीर की राजधानी श्रीनगर पहुंचकर संपन्न होगी। भारत जोड़ो यात्रा के समापन पर कांग्रेस पार्टी देशव्यापी आयोजन की तैयारी में है। कांग्रेस सांसद और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इसे लेकर एक बयान जारी किया है। केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि भारत जोड़ो यात्रा के समापन अवसर पर 30 जनवरी को राहुल गांधी सुबह 10 बजे श्रीनगर स्थित पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर तिरंगा फहराएंगे। सभी कमेटियां 30 को सुबह 10 बजे अपने पार्टी कार्यालय या किसी महत्वपूर्ण स्थल पर महात्मा गांधी की तस्वीर के साथ ध्वजारोहण करें। 7 सितंबर 2022 को कन्याकुमारी से शुरू हुई भारत जोड़ो यात्रा 12 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों से गुजरते हुए 3970 किलोमीटर की दूरी तय करके श्रीनगर में संपन्न होगी।

मां और दादी के गुण वाली लड़की से करूंगा शादी : राहुल

जम्मू। कांग्रेस नेता राहुल गांधी से उनसे शादी को लेकर एक सवाल किया गया तो जवाब में श्री गांधी ने कहा कि वह सही लड़की मिलने पर शादी करेंगे। इस साक्षात्कार का वीडियो सोशल मीडिया पर पार्टी के नेता द्वारा साझा किया गया। साक्षात्कारकर्ता ने पूछा, क्या आप जल्द ही किसी भी समय शादी करने की योजना बना रहे हैं? राहुल गांधी ने जवाब में कहा कि जब सही लड़की आएगी, तो मैं शादी कर लूंगा। यह पूछे जाने पर कि क्या उनके पास चेकलिस्ट है, उन्होंने कहा, नहीं, बस एक प्यार करने वाला व्यक्ति , जो बुद्धिमान हो। दिसंबर में, राहुल गांधी ने एक यूट्यूब चैनल को दिए एक साक्षात्कार में कहा था कि वह चाहेंगे कि उनके साथी में उनकी मां सोनिया गांधी और उनकी दादी इंदिरा गांधी के गुण हों। उन्होंने इंदिरा गांधी को जीवन का प्यार और दूसरी मां भी बताया। 'भारत जोड़ो यात्रा' सोमवार को अपने 129वें दिन में प्रवेश कर गई। 22 किलोमीटर की यात्रा के बाद यह जम्मू के सतवारी चौक पहुंची, जहां राहुल एक जनसभा को संबोधित करेंगे और फिर रात्रि विश्राम के लिए सिधरा जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि कड़ी सुरक्षा के बीच यात्रा सुचारू रूप से चल रही है और सुबह आठ बजकर 45 मिनट पर सरूर पहुंची, जहां भारत यात्री नाश्ते के लिए रुके।

योगी के भाषण देखें राजनाथ : दिग्विजय

जम्मू। दिग्विजय सिंह ने रक्षामंत्री राजनाथ सिह के इस बयान पर तीखा हमला बोला है जिसमें उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी भारत जोड़ों यात्र से नफरत फैला रहे। कांग्रेस नेता कहा- मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि हिंदुस्तान में नफरत पैदा करने की कोशिश कौन कर रहा है? उनको कहां नफरत दिखाई दे रही है? गौरतलब हो कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रविवार को मध्य प्रदेश के दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र करते हुए राहुल गांधी पर निशाना साधा। इसी को लेकर अब कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने राजनाथ सिंह पर पलटवार किया है। अपने बयान में कांग्रेस नेता ने कहा कि मैं उनसे कहना चाहूंगा कि वह उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के भाषण देखें। उन्होंने दावा किया कि वह जो खुलकर नफरत फैला रहे और लोगों की हत्या करने की बात कर रहे, आपने उनके बारे में एक शब्द नहीं बोला।

बेंच उपलब्ध न होने पर टली राणा अय्यूब की सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पत्रकार राणा अय्यूब की याचिका पर आज बेंच उपलब्ध ना होने की वजह से सुनवाई टल गई है. अब इस मामले की सुनवाई 25 जनवरी को सुनवाई होगी. राणा अय्यूब ने याचिका में गाजियाबाद कोर्ट द्वारा जारी किए गए समन पर रोक की मांग की है। पत्रकार राणा अय्यूब ने गाजियाबाद कोर्ट द्वारा जारी किए गए समन को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हुई थी पत्रकार राणा अय्यूब की याचिका

इस मामले में आरोप है कि राणा अय्यूब ने एक ऑनलाइन क्राउड-फंडिंग प्लेटफॉर्म, केटो के जरिए अभियान चलाकर चैरिटी के नाम पर आम जनता से अवैध रूप से धन इकट्ठा किया।

गोवा के रेस्तरां में जोरदार धमाका, कोई हताहत नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पणजी। गोवा के मापुसा इलाके में एक रेस्तरां और बार में जबरदस्त धमाके की खबर है। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हालांकि धमाके की वजह से इमारत को नुकसान पहुंचा है। पुलिस की शुरुआती जांच में कहा गया है कि संभवत: धमाका गैस सिलेंडर में हुआ है।

खबर के अनुसार, धमाका राजधानी पणजी से 9 किलोमीटर दूर मापुसा के रिहायशी इलाके दांगुई कालोनी में हुआ। जिस जगह धमाका हुआ, वह एक रेस्तरां-बार है। धमाका सुबह के वक्त हुआ और उस वक्त परिसर में कोई व्यक्ति मौजूद नहीं था, जिसके चलते धमाके में किसी के घायल होने की खबर नहीं है। फोरेंसिक एक्सपर्ट्स की टीम और बम निरोधक दस्ते ने मौके पर जाकर जांच की।

सुभाष चंद्र बोस ने हमेशा क्रांति का मार्ग चुना : योगी

» सीएम ने नेताजी की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में परिवर्तन चौक पर सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आजादी के आंदोलन के दौरान अनेक ऐसे अवसर आए थे जिसके माध्यम से नेताजी सुभाष चंद्र बोस भारत की राजनीति में स्थापित हो सकते थे। मगर इससे इतर उन्होंने हमेशा क्रांति का मार्ग चुना।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश के हर नागरिक के मन में देशभक्ति का भाव पैदा हो और हम सब अपनी राष्ट्रीयता के मार्ग का अनुसरण करते हुए राष्ट्र प्रथम के भाव को सदैव निखार सकें, उसके वे सदैव पक्षधर थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में परिवर्तन चौक पर सुभाष चंद्र बोस की जयंती के अवसर पर सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया।

बिहार: जहरीली शराब से पांच की मौत, दस गंभीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बिहार में शराबबंदी है यहां शराब पीना और पिलाना अपराध है। सरकार दावे कर रही है कि बिहार में शराबबंदी प्रभावी है। लेकिन जहरीली शराब से हो रही मौत बिहार सरकार के दावे कितने खोखले हैं यह बताने के लिए काफी है। बिहार में महज 41 दिन पहले जहरीली शराब से 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। तब सारण में 74, सीवान में पांच और बेगूसराय में दो लोगों की मौत हुई थी और अब एकबार फिर सीवान में जहरीली शराब का कहर देखने के लिए मिल रहा है।

सीवान में जहरीली शराब पीने से पांच लोगों की मौत हो गई है। जबकि 10 से ज्यादा लोगों की हालत गंभीर है। जहरीली शराब का सेवन करने वाले 6 लोगों ने अपनी आंखों की रोशनी खो दी है।

मामला लकड़ी नवीगंज ओपी थाना क्षेत्र के बाला और भोपतपुर गांव का हैं। बताया जा रहा है कि रविवार शाम को मौत का जो सिलसिला शुरू हुआ वह पांच लोगों तक पहुंच गया। सोमवार सुबह भी दो लोगों की मौत हुई है। इधर गांव वालों का कहना है कि 8 लोगों ने अपनी जान गंवाई है।

परिजनों ने अवैध शराब को बताया जिम्मेदार

जहरीली शराब पीकर जिन लोगों की मौत हुई है।उनकी पहचान सुरेंद्र रावत, नरेश रावत, धुरेधर मांझी, जनकदेव रावत, और राजेश रावत के रूप में हुई हैं। लोगों की मौत के बाद परिजनों का कहना है कि शराब पीने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ी जिसके बाद उनकी मौत हो गई। शराब पीकर जान गंवाने वाले धुरेधर मांझी की पत्नी सोहेला देवी ने बताया कि उनके पति रविवार की देर शाम शराब पीकर घर लौटे। इसके बाद उनकी तबीयत खराब होने लगी। इस दौरान उनकी पहले आंखे लाल हुई फिर रोशनी चली गई।

मामले को दबाने की कोशिश

इसके बाद उन्हें नबीगंज अस्पताल ले गए। लेकिन स्थिति गंभीर होने की वजह से उन्हें सीवान ले जाया गया। यहां से उन्हें पटना ले जाने के दौरान रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। धुरेधर मांझी के तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं। जिसमें दो बेटियां है।इधर प्रशासन ने मामले को दबाने की पूरी कोशिश कर रही है। सीवान सदर अस्पताल और बाला और भोतपुर गांव में पुलिस बल तैनात कर दिए गए हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।